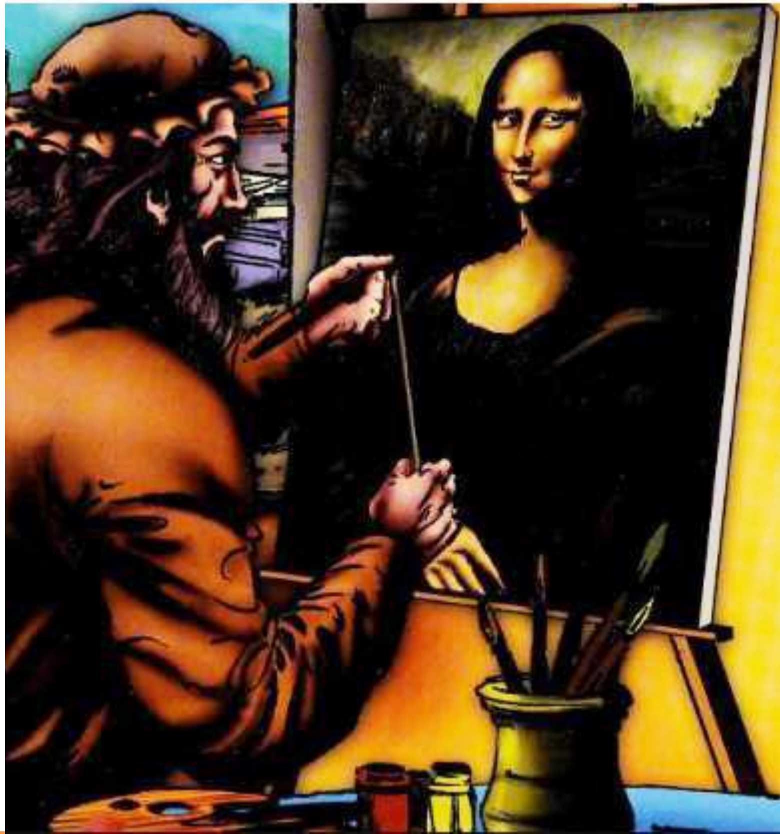
लियोनार्डो दा विंची



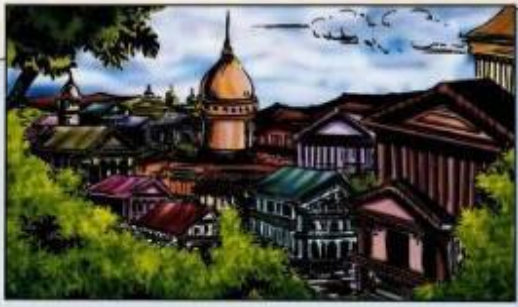
लियोनार्डो

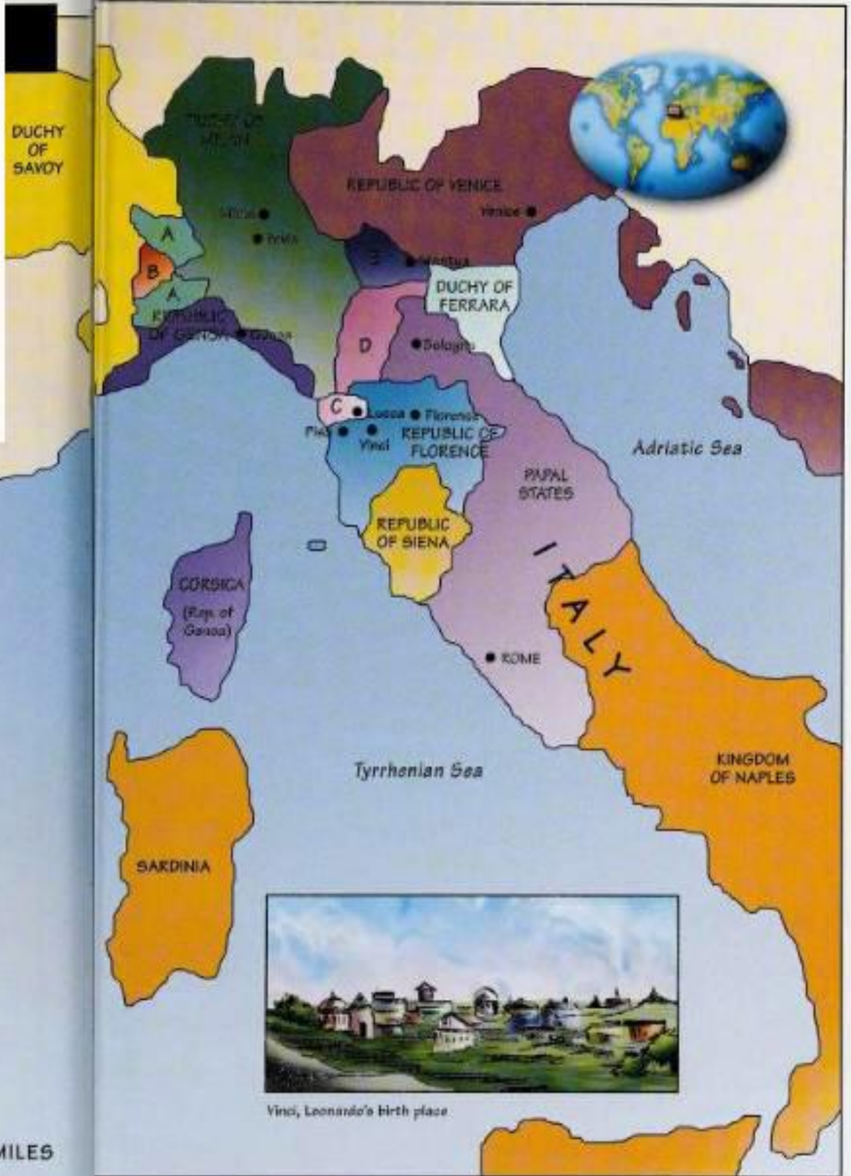
दा विंची

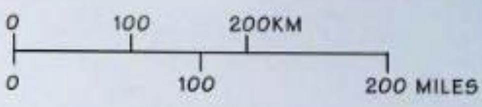


उस काल की स्थिति

वो काल सीखने और रचनात्मक अभिव्यक्ति का था. 15 वीं शताब्दी में इटली में पुनर्जागरण काल में - कला, कविता, मुद्रण, गणित और विज्ञान के अन्य क्षेत्रों में कई सुधार हुए. लियोनार्डो दा विंची एक चित्रकार, खगोलशास्त्री, मूर्तिकार, भूवैज्ञानिक, गणितज्ञ, वनस्पति विज्ञानी, पशु वैज्ञानिक, आविष्कारक, इंजीनियर, वास्तुकार और संगीतकार थे. अपने लंबे करियर के दौरान, लियोनार्डो ने राजाओं, पोप और ड्यूक के लिए काम किया. उन्होंने फ्लोरेंस, मिलान, मंटुआ, रोम, वेनिस, पाविया, बोलोग्ना और फ्रांस में यात्रा की और वहां पर काम भी किया. उन्होंने न केवल "मोना लिसा" जैसी अभूतपूर्व पेंटिंग बनाईं, बल्कि उन्होंने हेलीकाप्टर, यांत्रिक करघा, कार, बाइक, और बहु-बैरल बंदूक का डिजाइन और आविष्कार भी किया.







15 वीं शताब्दी में इटली एक देश नहीं था. उस समय वो कई छोटे-छोटे स्वतंत्र राज्यों में बंटा था, जिनमें प्रत्येक राज्य के अलग शासक थे. उन्होंने अपनी शक्ति बढ़ाने के लिए एक-दूसरे और पड़ोसी राज्यों पर युद्ध छेड़े.

Vinci, Leonardo's birth place

एक युवा कलाकार

लियोनार्डो का जन्म अप्रैल 1452 में इटली के टस्कनी के ग्रामीण इलाके में विंची के पास हुआ था. उनकी मां कैटरिना एक किसान परिवार की थीं. उनके पिता, सेर पिएरो काफी अमीर परिवार से थे. उन्होंने आपस में शादी नहीं की, लेकिन उन दोनों को अपने बच्चे पर बहुत गर्व था. कैटरिना ने अपने बेटे लियोनार्डो को शुरू में अपने ही साथ रखा. वैसे, सेर पिएरो अक्सर उनसे मिलने आते थे.





जब लियोनार्डो दो साल का हुआ तो पिता उसे अपने गाँव वाले घर में ले गए. वहां, लियोनार्डो को अपने दादा और चाचा के साथ बहुत मज़ा आया. सेर पिएरो ने जल्द ही फ्लोरेंस की एक धनी युवती से शादी कर ली.

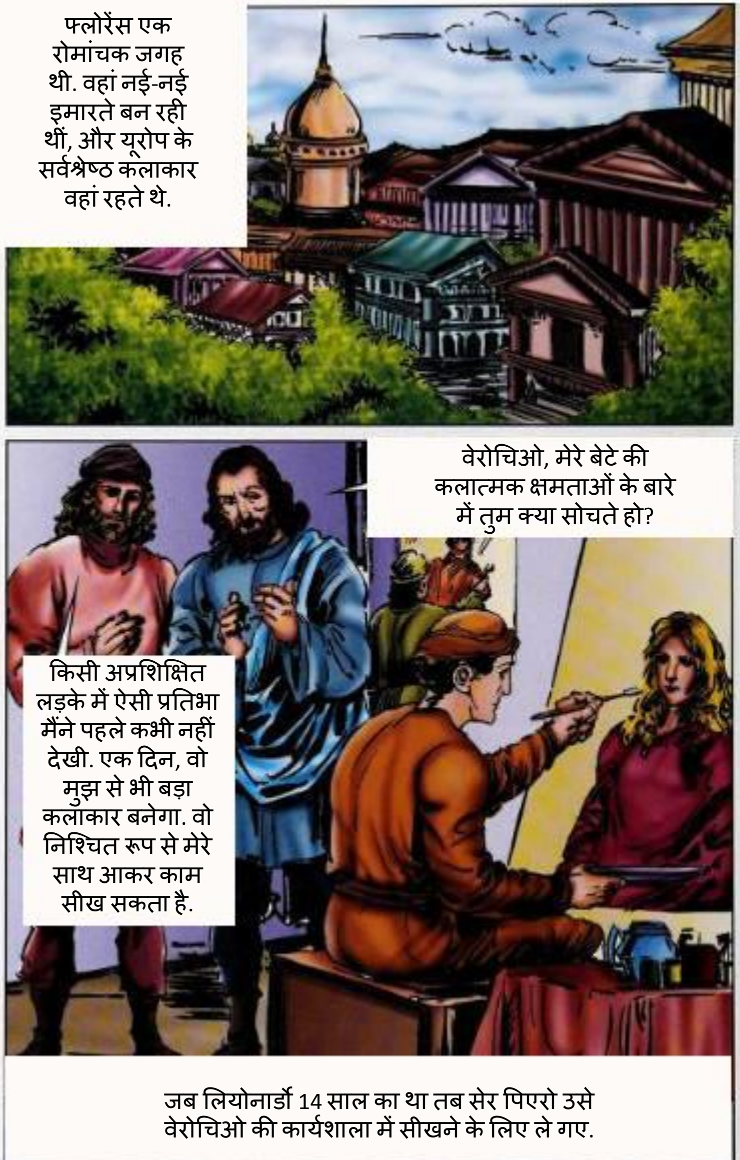
लियोनार्डो अपने पिता के भाई, फ्रांसेस्को से बहुत प्रेम करता था. वो हमेशा उनके पीछे-पीछे घूमता था और उनसे बहुत सारे सवाल पूछता था. फ्रांसेस्को भी लियोनार्डो से प्यार करते थे और वो लियोनार्डो को हर बात बड़े प्यार से समझाते थे.



लियोनार्डो ने कई चीजों में रुचि दिखाई.



तथ्य : पुनर्जागरण, इतिहास का वो काल था जब यूरोपीय विद्वानों को प्राचीन ग्रीस और रोम के नए-नए विचारों ने प्रेरित किया था.


फ्लोरेंस एक रोमांचक जगह थी. वहां नई-नई इमारते बन रही थीं, और यूरोप के सर्वश्रेष्ठ कलाकार वहां रहते थे.
वेरोचिओ, मेरे बेटे की कलात्मक क्षमताओं के बारे में तुम क्या सोचते हो?
किसी अप्रशिक्षित लड़के में ऐसी प्रतिभा मैंने पहले कभी नहीं देखी. एक दिन, वो मुझ से भी बड़ा कलाकार बनेगा. वो निश्चित रूप से मेरे साथ आकर काम सीख सकता है.
जब लियोनार्डो 14 साल का था तब सेर पिएरो उसे वेरोचिओ की कार्यशाला में सीखने के लिए ले गए.


लियोनार्डो ने फ्लोरेंस में एक वेरोचिओ के चेले के रूप में काम करना शुरू किया.
लियोनार्डो ने स्केचिंग, पेंटिंग, कांस्य के आभूषण, गहने, संगीत के साथ वहां और भी बहुत कुछ सीखा.
कार्यशाला को पेंटिंग, मूर्तिकला, आभूषण, कवच, गहने और कई अन्य चीजों के ऑर्डर मिलते थे.

पंद्रहवीं शताब्दी में, फ्लोरेंस एक जीवंत शहर था. वो विद्वान, दार्शनिक और कलाकारों का अड्डा था. वहां सभी प्रकार की निर्माण कार्यशालाएं थीं. वहां लोग संगीत बजाते थे और सड़कों पर टहलते थे.



वर्कशॉप में अक्सर अन्य आर्टिस्ट और कलाकार अपने विचारों पर वेरोचिओ से चर्चा करने आते थे.



लियोनार्डो अक्सर विज्ञान, गणित और दर्शनशास्त्र के शिक्षकों से चर्चा करता था.



एक दिन लियोनार्डो और दो अन्य चेले बाटलीसेली और क्रेडि, "क्राइस्ट के बैपटिज्म" की पेंटिंग में वेरोचिओ की मदद कर रहे थे.

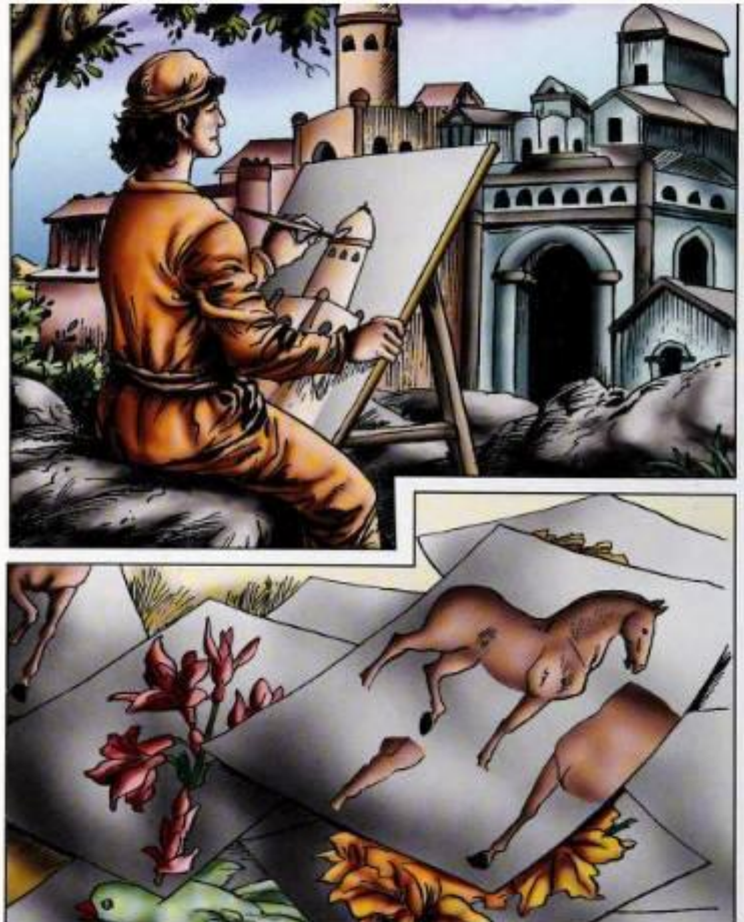


उस समय फ्लोरेंस में होना अच्छा था. धनवान व्यापारी और बैंकर नई-नई इमारतों के निर्माण के लिए वास्तुकारों को खूब पैसे देते थे. लियोनार्डो ज्ञान का इच्छुक था. उसके लिए वो एकदम सही जगह थी.





आधिकारिक तौर पर "उस्ताद", लियोनार्डो ने 1476 में अपनी खुद की कार्यशाला खोली. हालांकि, उसने 1477 तक वेरोचिओ के साथ काम करना जारी रखा. लियोनार्डो के चित्र, मूर्तियां और धातु के काम से लोग आश्चर्यचकित हो जाते थे. लोगों ने कभी ऐसा यथार्थवादी और सजीव काम पहले कभी नहीं देखा था. अपने खाली समय में लियोनार्डो ऐसे चित्र बनाता और कला निर्माण करता जिसे पहले किसी ने कभी नहीं देखा था.



जब लियोनार्डो ने अपनी खुद की कार्यशाला शुरू की, तो उसकी मदद और उससे सीखने के लिए कई चेले थे.

कभी-कभी लियोनार्दो की पेंटिंग इतनी यथार्थवादी दिखती थी कि लोग उसे असली समझते थे.



शक्तिशाली मेडिसी परिवार ने उसे अपने शानदार घर में बुलाया.

तथ्य

मेडिसी परिवार में शक्तिशाली, धनी व्यापारी और बैंकर थे. उन्होंने 1434 और 1737 के बीच फ्लोरेंस पर शासन किया था. वे कला, वास्तुकला, संगीत और स्कालरशिप को प्रोत्साहित करते थे.

तमाम कलाओं का धनी

हालांकि लियोनार्डो फ्लोरेंस में एक सफल कार्यशाला चला रहा था, लेकिन 1462 में वो शक्तिशाली लुडोविको सोरजा से मिलने मिलान गया.





लियोनार्डो ने अपने धनी मालिक को प्रभावित करने के लिए एक चांदी की बांसुरी भी बनाई.



लुडोविको एक विशाल किले "कास्टेलो सेफोर्सस्को" में रहता था. वहाँ से वो अपने भतीजे के लिए मिलान पर शासन करता था.






धन्यवाद. मैं यहीं पर काम करूंगा!
यह तुम्हारा स्टूडियो होगा. इसे तुम अपना घर ही समझो. और तुम्हें जिस चीज़ की जरूरत पड़े मुझसे मांगो.
तुम काफी होशियार और तेज़ लगते हो. तुम मेरे चेले बन सकते हो सलाई.
जैसे ही सप्ताह और महीने बीतते गए, लियोनार्डो ने लुडोविको के लिए हथियारों, इमारतों, पुलों के साथ और कई चीजों को डिजाइन किया.


उसने एक बख्तरबंद टैंक डिजाइन किया.
एक बहु-बैरल बंदूक भी डिजाइन की.
लियोनार्डो ने पेंटिंग में छाया (शैडो) दिखाने की तकनीक विकसित की.
लियोनार्डो को मेडिसी बंधुओं के साथ रहने की जगह मिली, जो खुद अपने आप कलाकार थे.
देखो, त्वचा एकदम सजीव और असली लगे.
तुमने कितनी आसानी से बना दिया. मैंने कभी भी "वर्जिन और चाइल्ड" की इतनी सजीव पेंटिंग नहीं देखी!
लियोनार्डो, ज़रा और रोटी और शराब लो!

ड्यूक लुडोविको, के लिए काम करते समय भी लियोनार्डो ने आविष्कार करना बंद नहीं किए. यद्यपि उन्हें युद्ध से घृणा थी, फिर भी वो खतरनाक हथियारों का डिजाइन करके अच्छे पैसे कमाता था.





दुनिया को केवल बारीकी से अध्ययन करने और उसके बारे में मनन-चिंतन के ज़रिए ही सीखा जा सकता है. लियोनार्डो के तमाम रेखाचित्रों से हमें यही बात पता चलती है.



लियोनार्डो सुंदरता पर मोहित था लेकिन उसने कई मजाकिया और भोंडे चित्र भी बनाए.





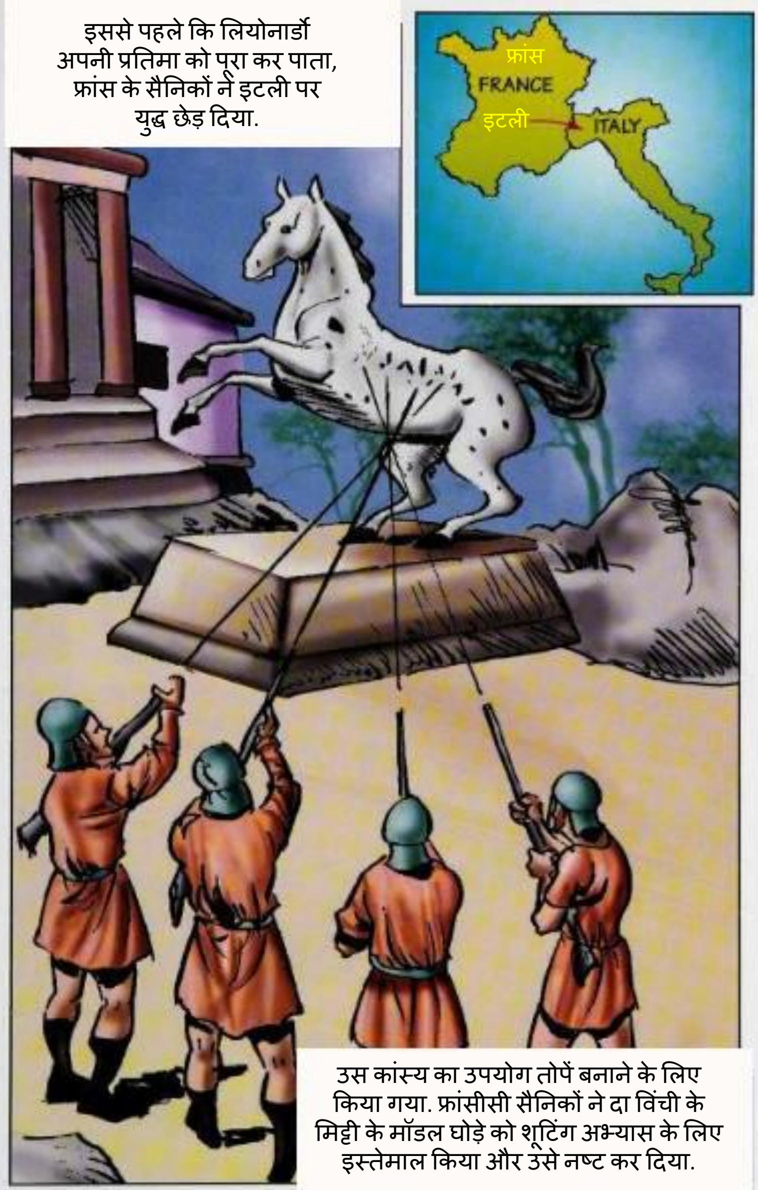
लियोनार्डो बहुत व्यस्त थे कि उनके पाँच चेले था. अपने स्टूडियो में आने वाले लोगों को वो चुटकुले और कहानियां सुनाना पसंद करता था.



तथ्य

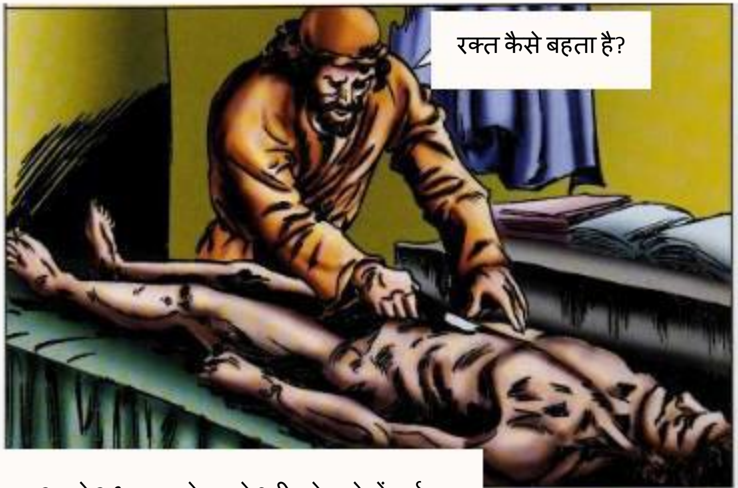
पुनर्जागरण के दौरान, कलाकारों ने सपाट चित्रों को तीन-आयामी दिखाने की एक तकनीक खोजी. लियोनार्डो ने अपने चित्रों और डिजाइनों में इस तकनीक का उपयोग किया. इसे रेखीय-परिप्रेक्ष्य कहा जाता था.


एक दिन ड्यूक स्फरोज़ा ने लियोनार्डो को एक शानदार काम दिया. 80 टन कांस्य से, लियोनार्डो को एक बहुत भव्य मूर्ति बनानी थी.
वो कांस्य स्मारक लुडोविको के पिता - फ्रांसेस्को स्फरोज़ा के लिए था. लियोनार्डो ने घोड़ों और स्मारकों के कई स्केच बनाए. उन्हें इस तैयारी में लगभग दस साल लगे!
अब आप ड्यूक को देखें, उनकी 23 फीट ऊंची प्रतिमा एक घोड़े पर बैठी है.
वो मुझे बहुत पसन्द आई.


इससे पहले कि लियोनार्डो अपनी प्रतिमा को पूरा कर पाता, फ्रांस के सैनिकों ने इटली पर युद्ध छेड़ दिया.
फ्रांस
FRANCE
इटली
ITALY
उस कांस्य का उपयोग तोपें बनाने के लिए किया गया. फ्रांसीसी सैनिकों ने दा विंची के मिट्टी के मॉडल घोड़े को शूटिंग अभ्यास के लिए इस्तेमाल किया और उसे नष्ट कर दिया.

वैज्ञानिक और गणितज्ञ

लियोनार्डो दा विंची की जिज्ञासा असीमित थी. मानव शरीर कैसे काम करता है यह समझने के लिए उसने लाशों को चीरा-फाड़ा.



अपने अध्ययन से उसने शरीर के बारे में कई नई बातें सीखीं जो पहले किसी को नहीं पता थीं.



वो ऑपरेशन भी देखता था. इतिहास में पहली बार मानव शरीर गंभीर वैज्ञानिक अनुसंधान का उद्देश्य बना.



अस्पताल में काम करने वाले एक व्यक्ति की मदद से लियोनार्डो ने अपने स्टूडियो में मरे लोगों की लाशों की जांच की.



लुडोविको की कई परियोजनाओं ने लियोनार्ड को व्यस्त रखा. इसमें लुडोविको के भतीजे की शादी के सम्मान में "स्वर्ग का पर्व" के लिए सेट तैयार करना शामिल था.



तथ्य

डॉक्टरों ने तभी महसूस किया कि शरीर कैसे काम करता है उसे समझने का सबसे अच्छा तरीका शरीर के अंदर देखना था.



लियोनार्डो ने गणितज्ञ लुका पैसिओली के साथ दोस्ती की, जो एक फ्रांसिसन पादरी था. पैसिओली ने लियोनार्डो को गणित के बारे में पढ़ाया. बदले में, लियोनार्डो ने "अनुपात" संबंधी पैसिओली की पुस्तक के चित्र बनाए.
मेरी ड्राइंग, "द विट्रुवियन मैन" प्राचीन रोमन वास्तुकार विट्रुवियस के काम पर आधारित है. वो मानव शरीर के "अनुपातों" को अच्छी तरह से दिखाती है.



1495 में लियोनार्डो से "द लास्ट सपर" पेन्ट करने को कहा गया. यीशु और उनके अनुयायियों के इस विशाल भित्ती चित्र को मिलान के एक मठ में चित्रित करना था.
मैंने एक नई तकनीक ईजाद की है, जिससे मैं दीवार पर सीधे ब्रश से पेंट कर सकूं, जिससे रंग और उज्जवल दिखें. मैंने इस 33 फुट लंबी तस्वीर को बनाने के लिए गणित का इस्तेमाल किया. मैंने गद्दार जुडास को अन्य सभी शिष्यों के साथ रखकर पुरानी परंपरा तोड़ी है. चित्र अच्छा बन रहा है लेकिन जो भिक्षु उसका भुगतान कर रहे हैं वे नाराज हैं क्योंकि उसे बनने में बहुत समय लग रहा है.
1499 में जब फ्रांस ने मिलान पर राज्य किया, तो लियोनार्डो ने पैसिओली, सलाई और उनके अन्य चेलों का साथ छोड़ दिया. महान कलाकार के लिए अब समय तेज़ी से बदल रहा था.

युद्ध और पानी

सबसे पहले, लियोनार्डो, पैसिओली, सलाई और अन्य चेले मंटुआ गए. फिर, उन्होंने वेनिस की यात्रा की.



उड़ान की गति ने लियोनार्डो को मोहित किया. पक्षी कैसे ग्लाइड करते हैं और ज़मीन पर उतरते हैं उस पर उन्होंने शोध किया. पक्षियों के पंखों का निर्माण कैसे होता है? इस शोध से उसने एक उड़ने वाली मशीन का आविष्कार किया. उसने एक किले का डिजाइन भी तैयार किया.



लियोनार्डो की प्रतिभाओं ने स्थानीय लोगों को प्रभावित किया. जल्दी ही लियोनार्डो ने युद्ध के प्रयासों में मदद की और उसमें कामयाब भी रहा.



वेनिस पर ओटोमन साम्राज्य द्वारा हमले का खतरा था. जब लियोनार्डो वेनिस पहुंचे, तो ओटोमन युद्धपोत तट पर आक्रमण करने के लिए खड़े थे.



तथ्य

तुर्क साम्राज्य वर्तमान तुर्की में स्थित था. तुर्क सुल्तानों ने कई ईसाई देशों पर कब्जा किया था और अब वे वेनिस को भी हथियाना चाहते थे.

लियोनार्डो ने तुर्क आक्रमण को विफल करने की कई योजनाओं पर काम किया.



कुछ महीनों बाद लियोनार्डो और उनके दोस्त फ्लोरेंस लौट आए. उन्होंने अपने पिता के साथ कुछ समय बिताया, जो अब अपनी चौथी पत्नी के साथ रह रहे थे.



इसके बाद लियोनार्डो ने पनडुब्बी, गहरे समुद्र का गोताखोर सूट और सांस लेने के उपकरण डिजाइन किए, जिससे सैनिक पानी के अंदर चल सकें.



फ्लोरेंस के लोग लियोनार्डो की वापसी से प्रसन्न थे. 1502 में, चालाक और लोगों को भयभीत करने वाला सैन्य शासक सेसार बोर्गिया उससे मिलने आया.



लियोनार्डो पूरी इटली में सेसार के साथ घूमा और उसने शहरों और उनकी इमारतों के डिजाइन का अध्ययन किया.





लियोनार्डो, फ्लोरेंस के दूसरे चांसलर निकोला मैकियावेली से मिला. मैकियावेली और लियोनार्डो ने एक-दूसरे की बुद्धिमत्ता का सम्मान किया और वे दोस्त बन गए. उन्होंने मिलकर कुछ आविष्कारों और विचारों पर एक-साथ काम किया.





सेसार के लिए इन सभी सैन्य विचारों पर काम करते हुए, लियोनार्डो को अभी भी पेंटिंग के काम मिल रहे थे. उन्हें फ्लोरेंस के एक मठ ने "सेंट एनी के साथ वर्जिन और चाइल्ड "को चित्रित करने को कहा. लेकिन लियोनार्डो उसे कभी खत्म नहीं कर पाया.

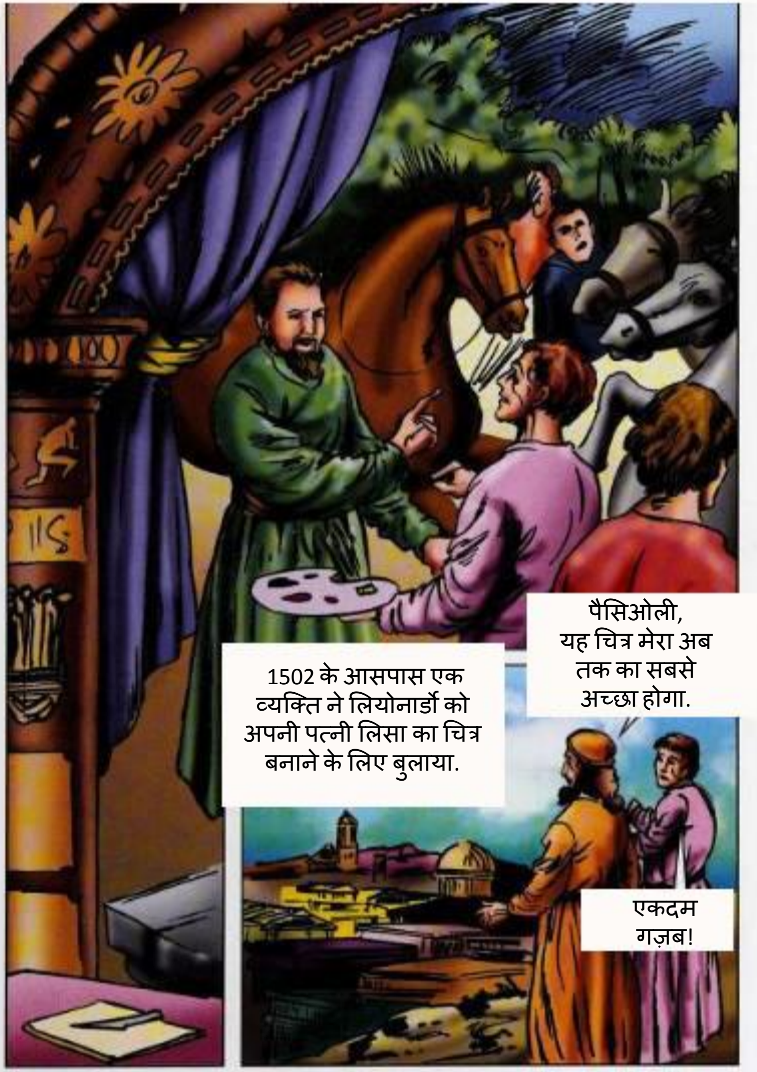
नक़्शे और मोना लिसा

चुंबकीय कम्पास और गणित के अपने ज्ञान का उपयोग करके,
लियोनार्डो ने कई स्थानों के सटीक नक्शे बनाए.
वो सटीक मानचित्र बनाने वाले पहले लोगों में से एक था.





1503 में, फ्लोरेंस ने माइकल एंजेलो और दा विंची, दोनों को पलाज्जो वीचियो में एक युद्ध दृश्य को चित्रित करने के लिए आमंत्रित किया. काम करते समय दोनों कलाकार और उनके चेले, एक-दूसरे के रास्तों से दूर ही रहते थे.

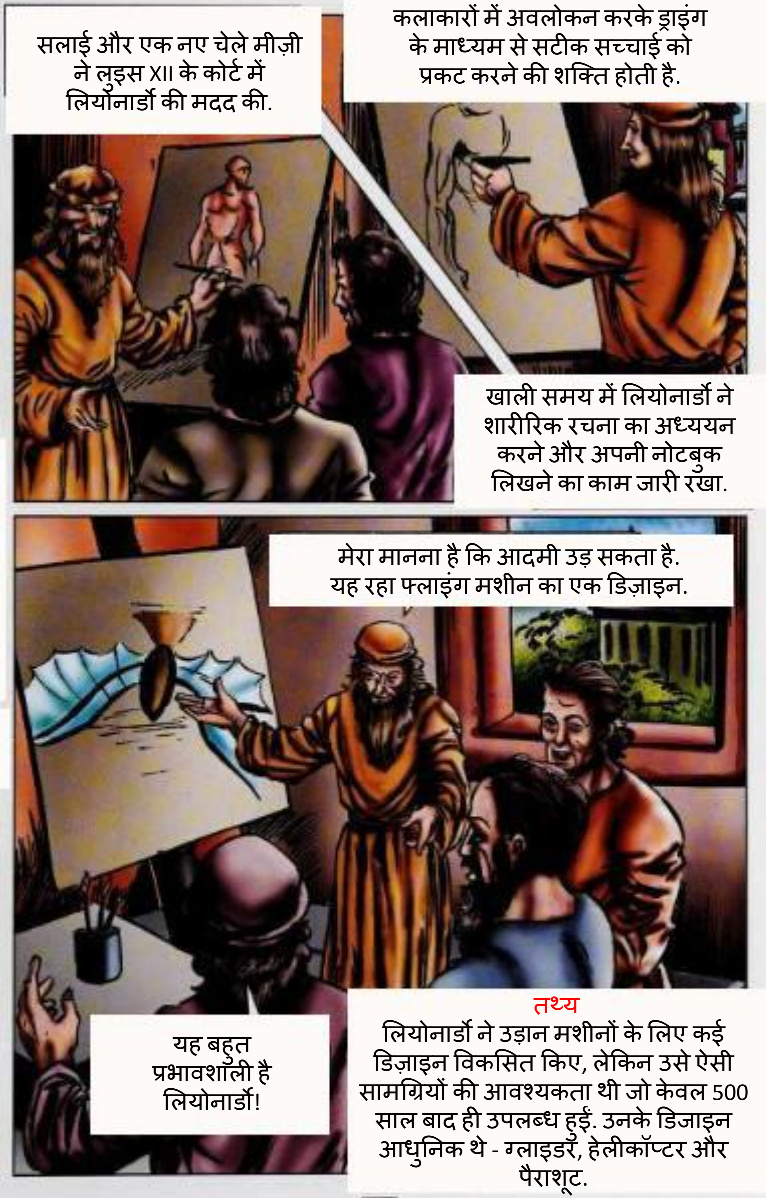



लिसा क्या मेरे चुटकुले तुम्हें हंसाते हैं?
लेकिन आपने मुझसे कहा कि पेंटिंग के समय मुझे बहुत मुस्कुराना नहीं चाहिए!
वैसे उसका पति भुगतान करेगा, लेकिन मैं दूसरों को अपना कौशल दिखाने के लिए इस पेंटिंग को अपने पास ही रखूंगा. मैं एक अन्य तकनीक पर भी काम कर रहा हूं.


हाल ही में प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार हुआ. अब किताबें आसानी से छापी और खरीदी जा सकती थीं. लियोनार्डो अब कई किताबें पढ़ सकता था और किताबों में से पढ़कर संगीत भी बजा सकता था.
प्रिंटिंग प्रेस एक महान आविष्कार है, लेकिन मैं उसमें सुधार कर सकता हूँ.
लियोनार्डो, आप प्रकृति से क्यों इतने रोमांचित हैं?
लियोनार्डो को समझने की कोशिश मत करो. वो हम सभी से ज़्यादा होशियार है!
मैं हर चीज के पीछे का रहस्य खोजना चाहता हूं!
माइकल-एंजेलो, राफेल और लियोनार्डो अक्सर एक-दूसरे के काम की प्रशंसा करते, लेकिन वे एक-दूसरे से ईर्ष्या भी करते थे.
देखो, वे दोनों इसकी नक़ल नहीं कर सकते! मैंने उसमें भावनाओं का सटीक चित्रण किया है!
मैं जानना चाहता हूं कि उसने मोनालिसा के चेहरे को इतना रहस्यमय कैसे बनाया?
वो इतनी असली लग रही है! पेन्ट करते समय उसने उसे लगातार मुस्कुराते हुए कैसे रखा?



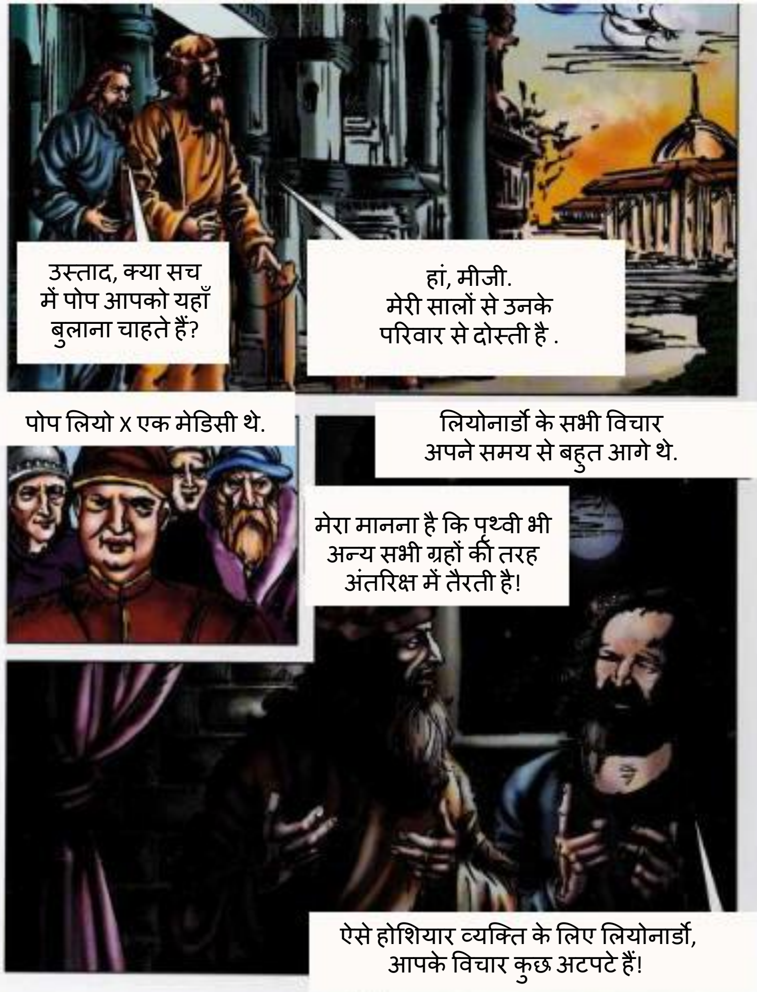
1504 में लियोनार्डो के पिता की मृत्यु हो गई.
This is the last will and testament of Ser Piero da Vinci.
लियोनार्डो के चाचा, फ्रांसेस्को ने अपनी वसीयत में लियोनार्डो को अपनी संपत्ति सौंपी.
लियोनार्डो मैंने अपनी जमीन तुम्हारे लिए छोड़ी है. तुम्हारे पिता ने अपनी सारी संपत्ति तुम्हारे सौतेले भाइयों और बहनों के लिए छोड़ी है, लेकिन तुम हमेशा से मेरे पसंदीदा भतीजे रहे हो.
चाचा फ्रांसेस्को, मैं आपको कभी नहीं भूलूंगा.
1507 में, लियोनार्डो, फ्रांस के राजा लुई XII का कोर्ट पेंटर बना. वो उस समय मिलान में थे.
क्या आपको मिलान में वापस आकर और लुडोविको के दुश्मनों - फ्रांस के लोगों, के साथ बैठने में कोई परेशानी नहीं होती है?
नहीं, सलाई? लुई मेरे काम की सराहना करता है, और मुझे अच्छे पैसे देता है. उसने ही मुझे यह खूबसूरत स्टूडियो दिया है.



सलाई और एक नए चेले मीज़ी ने लुइस XII के कोर्ट में लियोनार्डो की मदद की.
कलाकारों में अवलोकन करके ड्राइंग के माध्यम से सटीक सच्चाई को प्रकट करने की शक्ति होती है.
खाली समय में लियोनार्डो ने शारीरिक रचना का अध्ययन करने और अपनी नोटबुक लिखने का काम जारी रखा.
मेरा मानना है कि आदमी उड़ सकता है. यह रहा फ्लाइंग मशीन का एक डिज़ाइन.
यह बहुत प्रभावशाली है लियोनार्डो!
तथ्य
लियोनार्डो ने उड़ान मशीनों के लिए कई डिज़ाइन विकसित किए, लेकिन उसे ऐसी सामग्रियों की आवश्यकता थी जो केवल 500 साल बाद ही उपलब्ध हुईं. उनके डिजाइन आधुनिक थे - ग्लाइडर, हेलीकॉप्टर और पैराशूट.

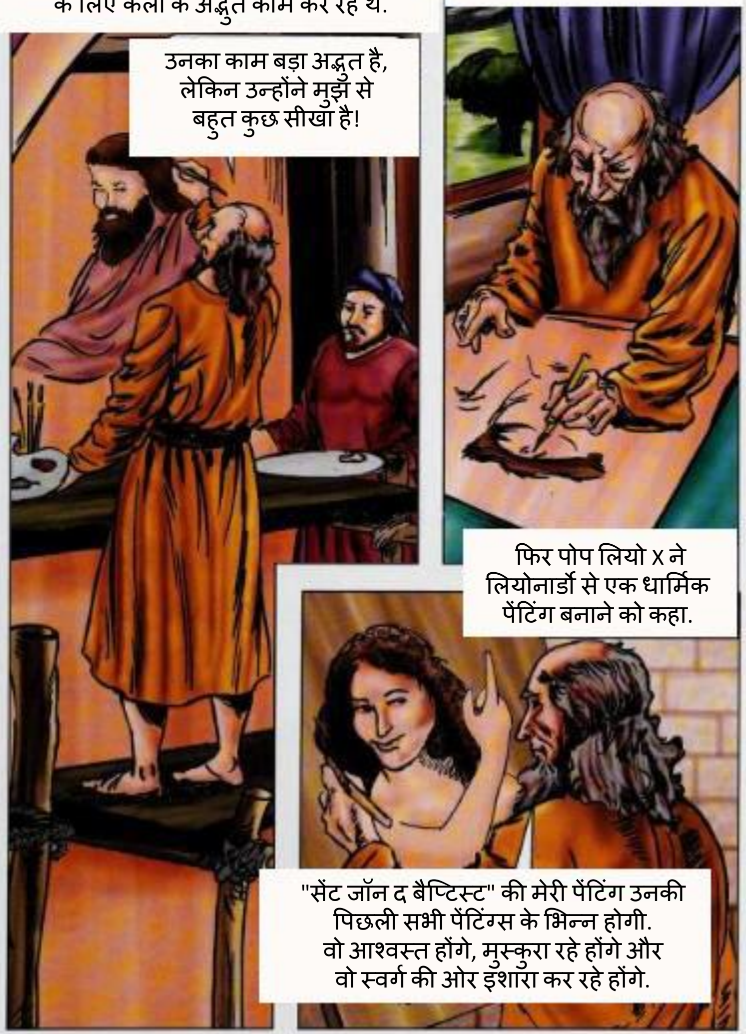
रोम और फ्रांस

1513 में, लुडोविको के बेटे ने, फ्रांस की सेना को मिलान से खदेड़ दिया. अब एक बार फिर लियोनार्डो का कोई संरक्षक नहीं बचा. मेडिसी परिवार अब फ्लोरेंस पर राज्य नहीं करता था, इसलिए लियोनार्डो रोम गया जहां मेडिसी अभी भी शक्तिशाली थे.

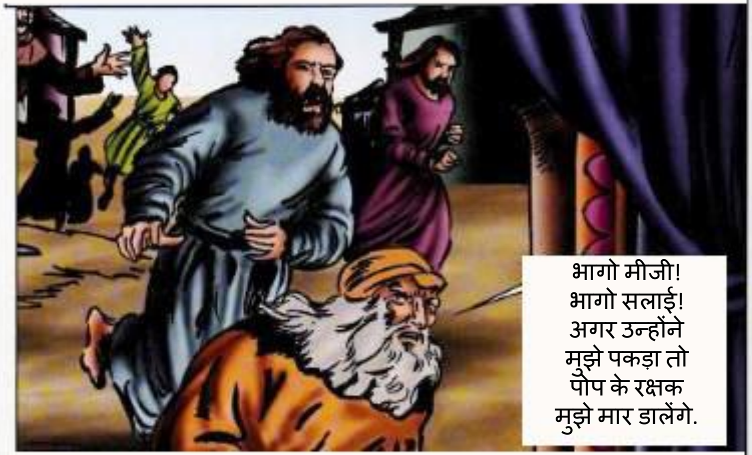


लियोनार्डो, पोप लियो X ने के लिए काम करता था. माइकल एंजेलो और राफेल - दो युवा कलाकारों ने पिछले पोप के लिए रोम में काम किया था. और अब वे पोप लियो X के लिए कला के अद्भुत काम कर रहे थे.

इस बीच, लियोनार्डो अभी भी शरीर का बारीकी से अध्ययन करता रहा और पता लगाता रहा कि वो कैसे काम करता है.



लियोनार्ड अभी भी लाशों का अध्ययन करके जोखिम उठा रहा था. एक दिन उसकी हरकत का पता चला और उस पर जादू-टोना करने का आरोप लगाया गया.



फिर वो फ्रांस के राजा, फ्रेंकोइस से मिला और दोनों ने एक-दूसरे की प्रशंसा की. लियोनार्डो एक नए संरक्षक की तलाश में फ्रांस की अदालत में गया.



1516 में, लियोनार्डो ने फ्रांस के राजा के निमंत्रण को स्वीकार किया. वो राजा का चीफ चित्रकार, वास्तुकार, और मैकेनिक बना. तब तक लियोनार्डो 64 का हो चुका था.





अंत